बाल भारती पब्लिक स्कूल पीतमपुरा- ११००३४

अधिन्यास पत्र कक्षा - चौथी

विषय --- हिंदी उपविषय --डायरी लेखन

दिनांक--- २३/११/२०/ से २७/११/२०

शिक्षण अधिगम -

- कक्षा का प्रत्येक छात्र डायरी लेखन विधा से परिचित हो सकेगा |
- प्रत्येक विद्यार्थी दिए गए विषय पर डायरी लेखन के अंतर्गत कम से कम ४-५ वाक्य शुद्ध वर्तनी के साथ लिख सकेगा |
- विषय को समझ कर उसके अनुरूप अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकेगा |
- बीती बातों को याद कर लिखने के कारण अपनी स्मरण शक्ति को पुष्ट कर सकेगा |

'डायरी' अर्थात 'जो प्रतिदिन लिखी जाए'। हर दिन की विशेष घटनाएँ-प्रिय अथवा अप्रिय, जिन्होंने भी मन पर प्रभाव छोड़ा हो, डायरी में लिखी जाती हैं।

डायरी लिखने का उद्देश्य :

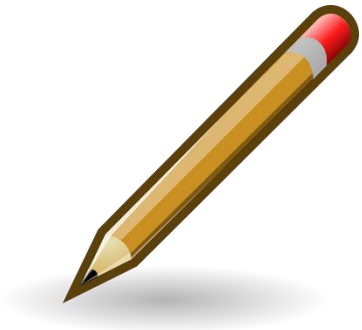

(1) हम जो बात दूसरों को समझा पाने या बता पाने में असमर्थ होते हैं उसे हम डायरी में लिख लेते हैं । डायरी सही अर्थ में एक 'सच्चे मित्र' की तरह होती है, जिसे हम सब कुछ बता सकते हैं। इसमें प्रतिदिन की विशेष घटनाओं को लिखकर हम उन्हें यादगार बना लेते हैं।

(2) जिस प्रकार हम फोटो देखकर उस अवसर की याद ताजा कर लेते हैं, उसी प्रकार डायरी के माध्यम से हम बीते समय में लौट सकते हैं तथा अपने खट्टे-मीठे अनुभवों को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

(3) प्रसिद्ध व महान व्यक्ति भी डायरी लिखते थे। उनकी डायरी पढ़कर हम पूरा युग देख सकते हैं।

डायरी लिखते समय कुछ बातों का ध्यान रखें :

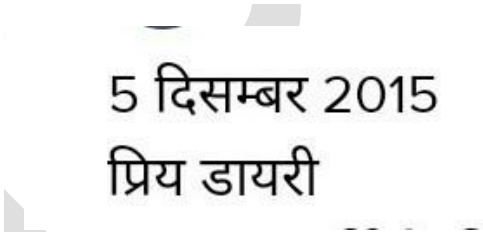

(1) पृष्ठ में सबसे ऊपर तिथि, दिन तथा लिखने का समय अवश्य लिखें।

(2) इसे प्रायः सोने जाने से पहले लिखें, ताकि पूरे दिन में घटित सभी विशेष घटनाओं को लिख सकें।

(3) डायरी के अंत में अपने हस्ताक्षर करें, ताकि वह आपका स्वयं का लिखा हुआ सिद्ध हो सके |

(4) डायरी लिखते समय ,सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग करें।

(5) डायरी में लिखी गई जानकारी संक्षेप में लिखी होनी चाहिए।

(6) अपने अनुभव को स्पष्टता से व्यक्त किया जाना चाहिए।

(7) डायरी में स्थान और तिथि का ज़िक्र होना चाहिए।

यहाँ डायरी लेखन का एक उदाहरण देखिए :-

पुरस्कार प्राप्त होने के बाद जो ख़ुशी हुई ।

लखनऊ

23 अक्तूबर, 20XX, बुधवार

रात्रि 9:30 बजे

आज का दिन बहुत अच्छा बीता। विद्यालय की प्रार्थना सभा में समस्त विद्यार्थियों के सामने मुझे अंतर्विद्यालयी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में जीता गया पुरस्कार दिया गया। घर आने पर मैंने माँ-पिता जी को पुरस्कार दिखाया, तब वे फूले नहीं समाए। दादी माँ ने मुझे आशीर्वाद दिया। अब मैं खाना खाने के बाद सोने जा रहा हूँ।

रोहित कुमार

अब आपकी बारी :-

परीक्षा में प्रथम स्थान लाने पर जो ख़ुशी हुई |